राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | विक्रम संवत - 2081, चैत्र, कृष्ण पक्ष | ई बुलेटिन मासिक: मार्च - 2025

महाविनाश की धरती पर सृजन के अंकुर

चपरेड़ी के अटल नगर, कच्छ (गुजरात) सेवा भारती - गुजरात

हमारे पास ओढ़ने के लिए बस अनंत आकाश बचा था और बिछाने के लिए केवल धरती। विधाता को पता नहीं क्या मंजूर था, चंद मिनटों में ही सब कुछ जमींदोज हो गया था। घर बर्तन, बिस्तर, कपड़े जो कुछ भी तिनका-तिनका कर हमने चालीस वर्षों में संजोया था अब मलबे के ढेर में बदल चुका था। कच्छ (गुजरात) 2001 में आए उस विनाशकारी भूकंप से हुई तबाही की दास्तान सुनाते हुए चपरेड़ी गांव के वर्तमान सरपंच श्री दामजी भाई की पलकें आज भी भीग जाती हैं। किंतु अगले ही पल जब वो अटल नगर में बने पक्के मकानों, चौड़ी सड़कों, शानदार स्कूल बिल्डिंग, पंचायत भवन व गांव के बीचों-बीच बने माता रानी के विशाल मंदिर को निहारते हैं तो फिर गर्व से सुनाते हैं चपरेड़ी के अटल नगर बनने की कहानी। क्या आप जानते हैं ? इस विनाशकारी भूकंप से खंडहर बन चुके चौदह गावों को सेवाभारती - गुजरात ने सेवा इंटरनेशनल की मदद से पुनः बसाया। उन्हीं गावों में से एक चपरेड़ी था जो आज सर्व सुविधायुक्त अटल नगर बन चुका है

26 जनवरी 2001 को सारा भारत जब 52 वां गणतंत्र दिवस मना रहा था तब सुबह 8 बजकर 46 मिनट पर गुजरात के कच्छ जिले में एक प्रलयकारी भूकंप आया था। रिएक्टर स्केल पर 7.7 तीव्रता वाला दो मिनट चलने वाला यह भूकंप 13805 लोगों को लील गया था। गुजरात के सैंकड़ों गांव प्रभावित हुए थे उन्हीं में से एक था चपरेड़ी। भूकंप के बाद गांव मे रहने वाले 300 परिवारों का सब कुछ नष्ट हो गया था। दस लोग जान गंवा चुके थे व समूचा गांव मलबे के ढेर में तब्दील हो गया था।

किंतु जहां विनाश होता है वहीं सृजन के अंकुर पनपते हैं। जिन्हें भूकंप निगल गया उन परिजनों को छोड़कर विधाता ने चपरेड़ी वासियों से बाकी जो कुछ छीना था, ईश्वरीय दूत बनकर आए इन कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक कर सब कुछ लौटा दिया। जहां पुराना गांव बसा था वहीं से कुछ दूरी पर खाली पड़ी जमीन पर पूरा गांव दोबारा बसाया गया।

2001 में इस गांव का भूमि पूजन हुआ व 2004 में लोकार्पण। नए गांव को नया नाम भी मिला अटल-नगर। नवनिर्माण के इस कार्य की संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कच्छ जिले के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन विभाग कार्यवाह श्री महेश भाई ओझा बताते हैं यह कार्य इतना आसान नहीं था।चपरेड़ी समेत कई गांव मलबे का ढेर बन चुके थे, मृत्यु अपना तांडव दिखा चुकी थी पर जो बच गये थे उनके लिए जीवन की लड़ाई बेहद कठिन थी। खासकर बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए स्कूल बिल्डिंगें जल्दी ठीक करना जरूरी था। वे बताते हैं कि कच्छ में चौदह गावों के साथ जामनगर , बनासकांठा, पाटण में ध्वस्त हुए 62 नए स्कूल भवन समाज के सहयोग से दोबारा बनाए गए।

हम सभी जानते हैं कि एक गांव को बसाने में कुछ दिन नहीं कुछ वर्ष लग जाते हैं। विनाश एवं निर्माण के बीच इन दो वर्षों में बांबुओं पर पतरे लगाकर कुछ मामूली बर्तनों व बिस्तर के साथ पत्थरों के चूल्हों पर खाना बनाकर जीवन गुजार रहे लोगों की हर मुश्किल में साथ खड़े रहे संघ के स्वयंसेवक। प्रांत मंत्री श्री गिरीश भाई बताते हैं कि हमने इन परिवारों को राशन, बर्तन, बिस्तर व अन्य आवश्यक सामानों के साथ ही आत्मविश्वास एवं स्वाभिमान से जीने का अवसर भी दिया। इस पूरे निर्माण कार्य में कुछ तकनीकी लोगों को छोड़कर बाहर से कोई नहीं आया। गांव वालों ने ही स्वयं अपना गांव बसाया। मजदूरी समेत जिसे जो कार्य आता था उसने वो पूरे जतन से किया। इससे इन्हें अपने घरों को बनाने का संतोष भी मिला व सरकारी रेट पर मजदूरी भी। काम शुरू होने के बाद जब चूल्हे जले तो रोटियों में आई स्वाभिमान की सोंधी महक ने इनका संताप हर लिया।

आईए अब वापस लौटते हैं चपरेड़ी के सरपंच दामजी भाई के पास।

जिनकी आँखों में सेवा भारती - गुजरात के लिए बस कृतज्ञता ही कृतज्ञता है। वे कहते हैं कि ये कार्यकर्ता हमारे गांव में ईश्वरीय दूत की तरह आए और हमारे सुख-दुःख का भार अपने कंधो पर उठा लिया। हमारी कल्पनाओं से भी सुंदर गांव बसा कर दिया।

शयद इसी को कहते हैं महाविनाश की धरती पर सृजन के अंकुर

13122	शिक्षा
7343	स्वास्थ्य
5808	सामाजिक
4556	स्वावलम्बन

सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय - झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा **30829** सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

स्व. सूर्यनारायण कार्यकर्ता सेवा विकास योजना-दिशा वर्ग - सूरत (गुजरात)

राष्ट्रीय सेवा भारती की स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना के द्वितीय समूह का प्रथम प्रशिक्षण वर्ग "दिशा" डॉ. आंबेडकर वनवासी कल्याण ट्रस्ट, सूरत, गुजरात में दिनांक 13 फ़रवरी से प्रारंभ होकर दिनांक 16 फ़रवरी 2025 को सम्पन्न हुआ। इस वर्ग में श्री उदय जोगलेकर जी वरिष्ठ प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पालक अधिकारी के रूप में सानिध्य प्राप्त हुआ। सम्पूर्ण भारत से चयनित कुल 28 विकास यात्रियों ने इस प्रशिक्षण वर्ग में भाग लिया। इस कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर वनवासी कल्याण ट्रस्ट, राष्ट्रीय सेवा भारती एवं इस योजना के प्रमुख कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

अध्ययन प्रमुख प्रशिक्षण वर्ग - पुणे (महाराष्ट्र)

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा अध्ययन प्रमुख प्रशिक्षण वर्ग पुणे (महाराष्ट्र) में दिनांक 1–2 फरवरी 2025 को आयोजित किया गया। वर्ग के उदघाटन सत्र में श्री सुधीर कुमार जी (अ. भा. संगठन मंत्री –राष्ट्रीय सेवा भारती) उपस्थित रहे। वर्ग में अध्ययन और वैभवश्री के अध्ययन विषय पर प्रशिक्षण रहा। समापन सत्र श्री विजय पुराणिक जी (संयुक्त महामंत्री –राष्ट्रीय सेवा भारती) द्वारा रहा। दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में 27 प्रांतों से 77 कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

प्रान्त: छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ प्रान्त में सेवा बस्ती भठगांव शीतलापारा, पुरानीबस्ती में मां विद्यादायिनी बाल संस्कार केंद्र का उद्घाटन संपन्न हुआ। दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सेवा भारती रायपुर के सचिव ने केंद्र की योजनाओं पर प्रकाश डाला। अंत में बच्चों को उपहार वितरित किए गए। केंद्र में कुल 29 बच्चे 03 अधिकारी, 5 अन्य बस्ती के लोग कुल 37 लोग इस कार्यक्रम में समिल्लित हुए।

प्रान्त: केरल

सेवामित्रम्, सेवा भारती द्वारा चूरलमाला और मुंदकई आपदा पीड़ितों के पुनर्वास के लिए शुरू किया गया प्रोजेक्ट है। जरूरतमंद परिवारों से संपर्क कर उनकी आवश्यकताओं की पहचान की गई। विश्वविद्यालय, तंजावुर की सहायता से 87 छात्रों को "विद्यादर्शन" नामक राष्ट्रीय सेवा भारती छात्रवृत्ति वितरित की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा भारती और संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। सेवा भारती का यह प्रयास सराहनीय है।

प्रान्त: जयपुर

सेवा भारती समिति राजस्थान द्वारा सेवा सदन, जयपुर में नर्सिंग सहायक जीडीए प्रशिक्षण एवं ड्राइविंग विद्यालय, नवीन वाहन का उद्घाटन श्री अरुण कुमार जैन, अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा मुख्य अतिथि श्री अविनाश गहलोत मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार के कर कमलों द्वारा किया गया। सेवा भारती द्वारा नर्सिंग एवं मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्य समाज के हित के लिए एक और कदम है। प्रशिक्षण के बाद उन्हें रोजगार भी सेवा भारती द्वारा दिलवाया जाएगा। अभावग्रस्त एवं निम्न वर्ग के लोगों के लिए यह प्रशिक्षण शुरू किया गया। इसके अलावा सिलाई प्रशिक्षण, कंप्यूटर प्रशिक्षण, दिवाली एलईडी लाइट प्रशिक्षण भी सेवा सदन में सेवा भारती द्वारा दिए जाते हैं। उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन किया गया। जिसके बाद उन्हें मंच पर आमंत्रित किया गया।

प्रान्त:झारखण्ड

किसान मेला और स्वास्थ्य शिविर का आयोजनसेवा भारती, झारखंड के तत्वावधान में जोन्हा के गुड़ीडीह स्थित सेवा धाम परिसर में 15वां किसान मेला, स्वास्थ्य शिविर व सेवा समर्पण दौड़ का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने युवाओं और किसानों की भूमिका को देश की प्रगति के लिए अहम बताया। स्वास्थ्य शिविर में 235 मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श और दवाएं दी गईं। कृषि मेले में 50 गांवों के किसानों ने उत्कृष्ट फसलों की प्रदर्शनी लगाई, जिसमें 50 किसानों को पुरस्कृत किया गया। सेवा समर्पण दौड़ में 24 विजेताओं को सम्मानित किया गया। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किसानों को कृषि संबंधित जानकारी दी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। सैकड़ों ग्रामीण और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्रान्त: जम्मू कश्मीर

सेवा भारती जम्मू कश्मीर व नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन द्वारा बाल विराज विद्यालय, खानपुर नगरोटा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। 165 रोगियों का उपचार किया गया, जिसमें बच्चे, महिलाएं व बुजुर्ग शामिल थे। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने निशुल्क परामर्श व औषधि वितरण किया।

प्रान्त: पंजाब

सेवा भारती(रजि)पंजाब ,पटियाला के सभी केन्द्रों में 14 फरवरी 2025 को मातृ-पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाया गया । इसमें छात्र और उनके अभिभावक शामिल हुए बच्चों ने उनका पूजन अभिनंदन करके आशीर्वाद प्राप्त किया । सभी अभिभावक सेवा भारती पटियाला द्वारा किए गए इस संस्कृतिक कार्यक्रम से बहुत ही आनन्दित हुए ।

प्रान्त: तेलंगाना

7,500 बैग, अनगिनत सपने सिले!सेवा भारती तेलंगाना के कौशल विकास केंद्र की महिलाओं ने कपड़े को वित्तीय स्वतंत्रता में बदल दिया, रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड 2025 के लिए टोट बैग तैयार किए।सिर्फ़ बैग ही नहीं, उन्होंने सशक्तिकरण का भविष्य भी सिला!

प्रान्त: उत्तर असम

सेवा भारती पूर्वांचल ने 22वीं धन्वंतरि सेवा यात्रा-2025 का आयोजन किया। सेवा भारती पूर्वांचल ने सियांग ट्रस्ट पासीघाट, सेवा भारती पूर्वांचल, सेवा भारती गुजरात और नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से 22वीं धन्वंतरि सेवा यात्रा 2025 का सफल आयोजन किया। चीन सीमा के पास दूरदराज के गांवों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाए गए, जिसमे डॉक्टरों की पांच टीमों ने जांच, शुगर जांच, बीपी जांच और निःशुल्क दवाइयां वितरण कीं।

प्रान्त:मालवा

सेवा भारती मालवा प्रान्त, सेवा भारती द्वारा संचालित बालिका छात्रावास मालवई आलीराजपुर में जिला अस्पताल सेवारत डॉक्टर्स की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉ के.सी.गुप्ता, डॉ दामिनी(BMO) ,पारबाई दीदी (CHO), सुमित्रा दीदी(CHO) द्वारा प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक छात्रावास की बालिकाओं के सिकलसेल ,एच बी, वजन, हाइट, ब्लड ग्रुप ,चर्म रोग, बीपी,किशोरियों में होने वाले रोगों से संबंधित परीक्षण किए गए एवं इन रोगों से संबंधित जानकारी दी गई।

रन फॉर गर्ल चाइल्ड

प्रान्त:तेलंगाना

सेवा भारती तेलंगाना द्वारा 2017 से प्रतिवर्ष हैदराबाद में किशोरी विकास योजना के संचालन हेतु धन संग्रह के लिए आयोजित किये जा रहे इसी कड़ी में 9वां संस्करण 2 फरवरी 2025 को "Run for a Girl Child" का आयोजन किया गया इसमें 10,060 से अधिक लोगों ने पंजीयन कराया तथा 8656 से अधिक प्रतिभागियों ने दौड़ में हिस्सा लिया ।

विशिष्ट अतिथि

- तेलंगाना के आईटी मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू
- विधायक श्री अर्केपुडी गांधी
- शिक्षाविद् और यूपीएससी मेंटर श्रीमती बाला लता
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अ. भा. सेवा प्रमुख पराग अभ्यंकर जी

प्रतिभागी	स्वयंसेवक	सोशल मीडिया प्रभाव
8656	1000+	49.97 M

प्रान्त:मध्य भारत

सेवा भारती, मध्यभारत प्रान्त के द्वारा रायसेन जिले के बारला में निरीक्षिका वार्षिक प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ। सत्रों में पाठ्यक्रम, आदर्श बस्ती, भावी बस्ती और बैठकों पर कार्यशालाएँ हुईं।

प्रान्त: कर्नाटक

380 छात्रों के लिए सीपीसी पॉलिटेक्निक मैसूर में 3 मेंटरशिप प्रशिक्षण सत्र। विबाग सेवा प्रमुख महेश जी और मैसूर महानगर सेवा प्रमुख आनंद जी के मार्गदर्शन में सेवा भारती कर्नाटक की पहल

प्रान्त:जम्मू कश्मीर

सेवा भारती जम्मू कश्मीर और नेशनल मेडिकोस ऑर्गेनाइजेशन के सहयोग से दक्ष छात्रावास डस्सल राजौरी में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इसमें 11 चिकित्सकों और 9 मेडिकल विद्यार्थियों ने अपनी सेवाएं दीं। 102 रोगियों को निशुल्क परामर्श और औषधि दी गई।

हिमालय पुत्र डॉ. नित्यानंद

ईश्वर ने अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य प्रदान किया है उत्तराखंड को। पहाड़ों की रानी मसूरी को देखने तो लाखों पर्यटक मानो खिंचे चले आते हैं। परंतु इस खूबसूरती से पहाड़ियों के जीवन की कठिनाईयां कम नहीं हो जाती। पहाड़ की इसी पीड़ा को सच्चे मन से समझने व दूर करने की लड़ाई यदि किसी ने जीवन भर लड़ी है तो वह थे प्रोफेसर नित्यानंद। देहरादून के डी.बी.एस कॉलेज में भूगोल के प्रोफेसर रहे नित्यानंद जी का पूरा जीवन सेवा समर्पण व त्याग की अनूठी मिसाल है। 1991 में दशहरे के दिन गढ़वाल में आए विनाशकारी भूकंप से प्रभावित परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने व उनके बच्चों को पढ़ाने के लिए नित्यानंदजी ने मनेरी को केंद्र बनाकर संघ के स्वयंसेवकों द्वारा 50 गांवो में शुरू किए गए सेवाकार्यों का मार्गदर्शन किया। 1975 से पार्शियल पैरालिसिस से ग्रस्त इस कर्मयोगी ने डॉ. की सलाह को अनदेखा कर पहाड़ पर प्रवास जारी रखा। भूकम्प के बाद पीडित परिवारों को बर्तन, बिस्तर, व अन्य जरूरत की वस्तुएं बांटने व बच्चों को पढ़ाने के अलावा 400 से अधिक परिवारों को भूकंपरोधी घर बनाकर दिए गए। 1945 से जीवन की अंतिम सांस तक संघ के पूर्णकालिक (बरसों तक प्रांतकार्यवाह रहे) डॉ नित्यानंद को उत्तरांचल दैवीय आपदा पीड़ित सहायता समिति के गठन का श्रेय जाता है जो 14 बरसों से देश के किसी भी हिस्से में आई आपदा में पीड़ितों की मदद का हरसंभव प्रयास करती है।

नित्यानंदजी का पूरा जीवन संघ कार्य की प्रतिमूर्ति है। 9 फरवरी 1926 में रेलवे कर्मचारी श्योवरणजी के घर तीन बेटियों के बाद जन्मे बालक से पूरे परिवार को वंश बढ़ाने की उम्मीद थी। परंतु वो तो किसी और ही मिट्टी का बना था। उसने जीवन भर अविवाहित रहकर सेवा की डगर पर चलने की राह चुनी। नित्यानंदजी को गरीब बच्चों के भविष्य की चिंता बड़ी सताती थी। ऐसे ही कमजोर बच्चों को पढ़ाने व आगे बढ़ाने के लिए नित्यानंद जी ने मनेरी के बाद उत्तरकाशी में लक्षेश्वर, देहरादून जिले के मागटी पोखरी, पाटिया व लटेरी में छात्रावास शुरू किए। यहां पढ़कर सैकड़ो छात्र अब सफलता की राह में आगे बढ़े हैं।

हिमालय पुत्र कहे जाने वाले नित्यानंदजी सचमुच आधुनिक संत थे। जीवन भर नौकरी करने वाले इस प्रोफेसर ने ना कभी अपना घर बनाया न ही अपने लिए कोई पैसा रखा। जब तक मां जिंदा रही एक जिम्मेदार बेटे का फर्ज निभाया व निधन के बाद मां के नाम पर श्रीमती भगवती देवी चैरिटेबल ट्रस्ट छात्रवृत्ति शुरू की। इस ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष वे 40 मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति देते रहे।

पृथक उत्तराखंड का आंदोलन जब नक्सलियों के हाथ में जा रहा था तब नित्यानंद जी ने इसे राष्ट्रवाद की ओर मोड़ कर उत्तरांचल के गठन की मांग की। प्रोफेसर नित्यानंद को उनके ग्राम विकास के कार्यों के लिए भी जाना जाता है। अल्मोड़ा में पटिया, थेया, टिहरी में भिगुन हो या फिर देहरादून के माटी पोखरी को मिलाकर 50 गांवों को मॉडल बनाने का सपना साकार करने के लिए वे निरंतर काम करते रहे। इसके लिए उन्होंने अपने विद्यार्थियों को सेवाकार्यों से जोड़ा। कोलकाता के बड़ा बाजार कुमार पुस्तकालय समिति व बनारस के भाऊरावदेवरस न्यास ने उन्हे सेवाकार्यो के लिए जब सम्मानित किया तो पुरस्कार राशि उन्होंने सेवाकार्यो के लिए दे दी।

इतिहास व भूगोल की अनेक पुस्तकें लिखने वाले नित्यानंदजी हिमालय पर अपने शोध के लिए भी जाने जाते है। उनके नाम पर डाक्टर नित्यानंद हिमालय शोध एवं अध्ययन केंद्र के नाम से एक यूनिवर्सिटी देहरादून में बन रही है। इस आधुनिक संत ने 8 जनवरी 2016 में देहरादून संघ कार्यालय में अंतिम सांस ली। उनके साथ कई वर्ष कार्य कर चुके संघ के वरिष्ठ प्रचारक व विश्व संवाद केंद्र देहरादून के निदेशक विजय जी के शब्दों में कहें तो नित्यानंद जी आधुनिक युग के दधीचि थे जिन्होंने अपनी देह गला कर उत्तराखंड की घाटियों में सेवा का मार्ग प्रशस्त किया।

नेत्र कुम्भ - 2025 प्रयागराज

नेत्र चिकित्सा महायज्ञ

1,63,652
चश्मों का वितरण

500
नेत्र विशेषज्ञ

50
दिवस

2,37,964
नेत्र जाँच संख्या

1,000
ऑप्टोमेट्रिस्ट

17,069
ऑपरेशन रेफरल

नेत्र कुम्भ का ध्येय वाक्य **'पश्येम शरदः शतम्'** रखा गया है जिसका अर्थ है प्रभुनिर्मित इस सुन्दर सृष्टि को हम 100 वर्षों तक भली प्रकार से देखें। इसी परिकल्पना के साथ नेत्र कुम्भ की योजना रचना बनी। पवित्र संगम के किनारे इस वर्ष महाकुम्भ का विलक्षण आयोजन किया गया। इस पवित्र अवसर को निमित्त मानकर स्वास्थ्य सेवा की दृष्टि से निःशुल्क नेत्र जाँच, दवा, चश्मा वितरण एवं सभी प्रकार के ऑपरेशन का विशाल आयोजन नेत्र कुम्भ-2025 के रूप में सुनिश्चित हुआ। इस आयोजन को सफल बनाने हेतु देश की अग्रणी सेवाभावी संस्थाएँ **'सक्षम'**, **'राष्ट्रीय सेवा भारती'**, 'द हंस फाउंडेशन', 'स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन', 'श्री भाऊराव देवरस न्यास',श्री रज्जू भैया सेवा न्यास', 'नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन' एवं इत्यादि विभिन्न संगठनों के सहयोग से यह नेत्र जाँच का महा आयोजन किया गया।

नेत्र कुंभ 2025 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबळे जी का आगमन हुआ। उन्होंने इस महायज्ञ का दौरा कर इसकी सराहना की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ , माधव नगर, प्रयागराज के स्वयंसेवकों एवं राष्ट्र सेविका समिति की बहनों द्वारा श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों को चाय और बिस्कुट वितरित किए।

निःशुल्क नेत्र एवं मोतियाबिंद परीक्षण शिविर

सेवा भारती द्वारा चलती रेलगाड़ी में चिकित्सा सहायता सेवा...

राष्ट्रीय सेवा साधना 2025 – आपदा प्रबंधन
पर आधारित पुस्तक जल्द आ रही है

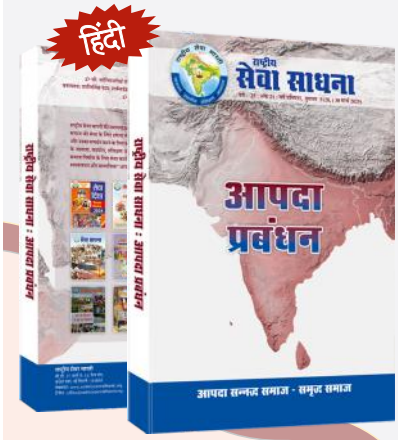

हमें यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि राष्ट्रीय सेवा भारती के द्वारा प्रकाशित वार्षिक विशेषांक राष्ट्रीय सेवा साधना 2025, जो आपदा प्रबंधन पर आधारित है, बहुत जल्द पुस्तक के रूप में प्रकाशित हो रही है। इस पुस्तक में आपदा प्रबंधन के विशेषज्ञों के लेख, संगठनों द्वारा किए गए सेवा कार्यों का विवरण और स्वयंसेवकों के अनुभव सम्मिलित किये गए हैं।

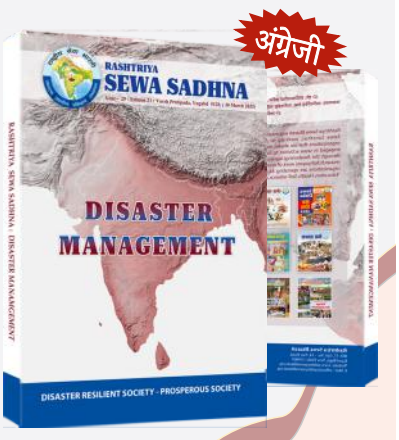

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
राष्ट्रीय सेवा भारती
email id: office@rashtriyasewabharati.org

राष्ट्रीय सेवा भारती के सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

राष्ट्रीय सेवा भारती
वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618, मोबाइल न. 09868245005